भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-229

उत्तर देने की तारीख- 03/02/2025

एसटीईएम शिक्षा

†229. **डॉ. अमर सिंह:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि कहानी सुनाना जटिल एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) की अवधारणाओं का रहस्योद्घाटन करने, आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने और खोज के लिए जुनून पैदा करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य कर सकता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस बात को ध्यान में रखते हुए कि कथात्मक तकनीक बच्चों को वैज्ञानिक जानकारी को बेहतर ढंग से समझने और बनाए रखने में मदद करती है, अमूर्त विचारों को मूर्त और भरोसेमंद बनाने के लिए एसटीईएम शिक्षा में कहानी कहने को एकीकृत करने के लिए सरकार द्वारा क्या पहल किए जाने का विचार है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग) सरकार बच्चों को जटिल अवधारणाओं को समझने और एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा के एक भाग के रूप में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने में कहानी सुनाने की प्रभावशीलता को मान्यता देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में यह प्रावधान है कि अवर स्नातक शिक्षा में शैक्षिक दृष्टिकोणों के मूल्यांकन ने लगातार सकारात्मक अधिगम परिणाम दर्शाए हैं जो मानविकी और कला को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के साथ एकीकृत करता है, जिसमें सामान्य जुड़ाव और अधिगम के आनंद में वृद्धि के अतिरिक्त रचनात्मकता और नवाचार में वृद्धि, आलोचनात्मक सोच और उच्च-क्रम की सोच क्षमता, समस्या-समाधान क्षमता, टीम वर्क, संचार कौशल, अत्यधिक गहन अधिगम और विभिन्न क्षेत्रों में पाठ्यक्रम में दक्षता हासिल करना, सामाजिक और नैतिक जागरूकता में वृद्धि आदि शामिल हैं। समग्र और बहु-विषयक शिक्षा दृष्टिकोण के माध्यम से अनुसंधान को भी बेहतर और संवर्धित किया जाता है।

स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-एसई) 2023 में कथित है कि कहानियाँ सामाजिक संबंधों, नैतिक विकल्पों, भावनाओं को समझने और अनुभव करने तथा

जीवन कौशल के प्रति जागरूकता संबंधी अधिगम के लिए विशेष रूप से प्रभावी माध्यम हैं। कहानियाँ सुनते समय, बच्चे नए शब्द सीखते हैं, जिससे उनकी शब्दावली का विस्तार होता है, और वे वाक्य संरचना तथा समस्या-समाधान कौशल सीखते हैं। अल्पावधि के लिए ध्यान केन्द्रित कर पाने वाले बच्चे कहानी में तल्लीन होने पर अधिक समय तक ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के माध्यम से, हम बच्चों को उनकी संस्कृति और सामाजिक मानदंडों से परिचित करा सकते हैं और उनके आस-पास के वातावरण संबंधी जागरूकता पैदा कर सकते हैं। एनसीईआरटी बच्चों के लिए रोचक कहानियाँ तैयार करने के लिए विज्ञान और गणित सहित लगभग प्रत्येक विषय क्षेत्र में कहानी सुनाने की शिक्षा पद्धति का उपयोग करता है। छात्रों और समाज के समग्र विकास में योगदान देने वाले एक आनंदमयी और अभिव्यंजक अधिगम वातावरण को तैयार करने की दृष्टि से, वर्ष 2024 में स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीएसईएंडएल), शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के एक प्रमुख कार्यक्रम, 10वां राष्ट्रीय कला उत्सव में पारंपरिक कहानी सुनाने की शुरुआत की है। एनसीएफ़-एसई 2023 के अनुपालन के रूप में तैयार पाठ्यपुस्तकों में, कहानी सुनाने की शिक्षा पद्धति को एकीकृत किया गया है। कक्षा 6 के लिए विज्ञान की पाठ्यपुस्तक नामतः 'क्यूरियोसिटी' और इसका हिंदी संस्करण 'जिज्ञासा', कहानी सुनाने की विधा का उपयोग करके अवधारणा प्रस्तुत करता है।

पाठ्य पुस्तकों का वेब लिंक: क्यूरियोसिटी: https://ncert.nic.in/textbook.php?fecu1=0-12

जिज्ञासा: https://ncert.nic.in/textbook.php?fhcu1=0-12

****